आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 52 | उज्जैन, रविवार 12 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

माँ नर्मदा के जल से सिंचित होगी बड़वानी जिले की कृषि भूमि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर खेत को पानी और हर हाथ को रोजगार दिलाना हमारा संकल्प है। पारस के स्पर्श से लोहा जिस प्रकार सोना हो जाता है, उसी प्रकार धरती को पानी मिले तो वह सोना उगलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से हम इस संकल्प को पूरा करेंगे। हम हर गांव तक और हर खेत तक पानी पहुंचाएंगे। यह पानी अगर 60-70 वर्ष पहले खेतों को मिल जाता तो आज देश की दशा ही बदल जाती। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी है और निमाड़ के लोगों को माँ

नर्मदा का आँचल मिला है। नर्मदा घाटी की इंदिरा सागर परियोजना और लोअर गोई परियोजना की नहरों से बड़वानी जिले में सूक्ष्म सिंचाई पहले से हो रही है। अब सेंधवा और निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से जिले के सुदूर क्षेत्रों में किसानों को अपने खेतों तक सिंचाई के लिये पर्याप्त मात्रा में माँ नर्मदा का जल उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को बड़वानी जिले की सेंधवा कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 1402.74 करोड़ रूपये की लागत वाली सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना और 1088.24 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का भूमि-पूजन कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दोनों परियोजनाओं का नामकरण करते हुये कहा कि सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना निमाड़ के गांधी श्री रामचंद्र विट्ठल के नाम पर और निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का नाम टंटया मामा के नाम पर होगा।

चीन को लगेगी मिर्ची, लद्दाख में सैनिकों, गोला-बारूद भंडारण के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की वन्यजीव समिति ने चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास पूर्वी लद्दाख में सैनिकों, गोला-बारूद भंडारण और संचार नेटवर्क के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।

सैनिकों के तैनाती में आएगी तेजी- रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चांगथांग के अधिक ऊंचाई वाले शीत मरुस्थल वन्यजीव अभयारण्य और काराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में बनाए जाने वाले नए बुनियादी ढांचे का उद्देश्य गोला-बारूद की पहुंच में तेजी लाना और त्वरित अभियानगत तैनाती सुनिश्चित करना है।

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 54 महीने तक सैन्य गतिरोध रहा, जो मई 2020 में गलवन घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प के बाद शुरू हुआ था। यह गतिरोध पिछले साल अक्टूबर में समाप्त हुआ था।

दोनों अभयारण्य दुर्लभ वन्यजीवों के निवास स्थान 21 दिसंबर को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की बैठक के दौरान इस रणनीतिक बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। प्रस्ताव के तहत आने वाले दोनों अभयारण्य दुर्लभ वन्यजीवों के निवास स्थान हैं।

घने कोहरे के साथ ठंड का सितम जारी, देरी से चल रहीं 100 से ज्यादा ट्रेनें; यूपी समेत इन क्षेत्रों में होगी बारिश

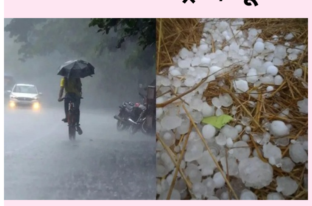

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड और कोहरे से उत्तर भारत के राज्यों को अभी कुछ दिन राहत मिलती नहीं दिख रही है। मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड के साथ कोहरा परेशानी का कारण बना हुआ है। वहीं पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित है।

100 से अधिक ट्रेनें विलंब से दिल्ली पहुंचीं- घने कोहरे के कारण शुक्रवार को भी दिल्ली में कई जगहों पर सुबह दृश्यता शून्य रही। इस कारण आइजीआइ एयरपोर्ट पर 150 के करीब उड़ानें विलंबित रहीं। 33 से अधिक ट्रेनें दिल्ली से देरी से चलीं जबकि 100 से अधिक ट्रेनें विलंब से दिल्ली पहुंचीं। घने कोहरे के कारण सड़कों पर भी वाहन रेंगते नजर आए और कई जगहों पर हादसे भी हुए। दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे का असर रहा दिनभर

पूरे दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे का असर रहा दिनभर रहा। दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने उत्तर भारत विशेष तौर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में अगले कुछ दिन घना कोहरा होने की चेतावनी जारी की है। जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड के बीच मौसम विभाग ने शनिवार को फिर ताजा बर्फबारी और वर्षा की संभावना जताई है।

असम खदान से निकाले गए तीन और शव, अब तक चार की मौत; कुछ मजदूर अभी भी फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के दिमा हसाओ जिले में एक कोयला खदान के अंदर फंसे खदान हादसे से अब तीन और लोगों का शव बरामद कर लिया गया है। खदान से अब तक 4 लोगों का शव बरामद किया जा चुका है। पहला शव बुधवार को उमरांगसू की खदान से निकाला गया। वे उन नौ श्रमिकों में से थे जो सोमवार को खदान में अचानक पानी भर जाने के बाद खदान के अंदर फंस गए थे।

अभी 5 मजदूर और खदान में फंसे हैं, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है। मजदूर की पहचान दीमा हसाओ निवासी लगभग 27 साल के लिगेन मागर के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर इस घटना को लेकर एक पोस्ट किया। हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मामले में बयान दिया है।

12 साल पहले छोड़ दिया गया था खदान- हिमंत सरमा ने पहले दावा किया था कि खदान को 12 साल पहले छोड़ दिया गया था और तीन साल पहले तक यह असम खनिज विकास निगम के अधीन था। सरमा ने कहा, यह अवैध खदान नहीं बल्कि परित्यक्त खदान थी। उन्होंने ये भी कहा, मजदूर उस दिन पहली बार कोयला निकालने के लिए खदान में उतरे थे।

वहीं एक अधिकारी ने इस घटना को लेकर कहा कि सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के गोताखोर मजदूर को बाहर निकालने के लिए गए तो मगर का शव खदान में जमा पानी पर तैरता हुआ पाया गया।

पूजास्थल कानून से जुड़ी याचिकाओं संग नहीं होगी संभल के कुएं की सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संभल में शाही जामा मस्जिद के बाहर सीढ़ियों के पास स्थित कुएं के बारे में यथास्थिति बनाए रखने की मस्जिद कमेटी की मांग पर नोटिस जारी करते हुए कुएं के बारे में जिला मजिस्ट्रेट से दो सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया है कि मस्जिद के बाहर सीढ़ियों के पास स्थित कुएं के बारे में नगर पालिका परिषद का अगर कोई नोटिस है तो वह प्रभावी नहीं होगा यानी जिला प्रशासन उस पर अमल नहीं करेगा।

ये आदेश प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने संभल की शाही जामा मस्जिद प्रबंध कमेटी की अर्जी पर शुक्रवार को दिए। मस्जिद कमेटी ने निचली अदालत के सर्वे आदेश के खिलाफ दाखिल विशेष अनुमति याचिका के मामले में ही एक नयी अर्जी दाखिल कर मस्जिद के बाहर सीढ़ियों के पास स्थित कुएं के संबंध में यथा स्थित बनाए रखने का आदेश मांगा है।

मस्जिद कमेटी ने क्या दलील दी? शुक्रवार को मस्जिद कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी और फुजैल अहमद अयूबी पेश हुए। हुजैफा ने दलीलें रखनी शुरू ही कीं थी क प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर कुआं खुला है और सार्वजनिक है तो सभी लोग उसका प्रयोग कर सकते हैं और वहां सीसीटीवी लगाने का आदेश दिया जा सकता है। हुजेफा ने कहा कि वह कुआं सार्वजनिक नहीं है और न ही खुला हुआ है।

लड़कियों की शादी, गरीबों को बांटता है कंबल...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भिखारी होने के बाद भी जरूरतमंदों की सेवा करने वाले राजू भिखारी ने शनिवार को 200 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इसके अलावा लंगर का स्टाल भी लगाया। शहर के वाल्मीकि चौक में आयोजित कार्यक्रम के दौरान थाना डिवीजन नंबर-एक के प्रभारी दविंद्र काश्मी मुख्य रूप से पहुंचे। उन्होंने राजू भिखारी के साथ मिलकर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए और राजू की सराहना की। बता दें कि 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वर्ष पहले लॉकडाउन के दौरान पठानकोट के दिव्यांग राजू की तरफ से बिना मास्क पहने घूम रहे लोगों को 3000 से अधिक मास्क और 100 जरूरतमंद लोगों को राशन बांटने पर कार्यक्रम में प्रशंसा की थी।

मेरी जिम्मेदारी है, मैं लिखकर दे सकता हूं..., जब पीएम ने सुनाया गोधरा कांड का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार पॉडकास्ट के जरिए अपनी कई अनसुनी बातों का जिक्र किया। पॉडकास्ट पर दिए अपने पहले साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जीवन, राजनीति, कूटनीति समेत सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर खुलकर बोला।

पॉडकास्टर और जेरोधा कंपनी के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ बातचीत में पीएम ने गुजरात के गोधरा कांड पर भी खुलकर अपनी बात रखी।

पीएम ने बताया कैसे झगड़ा कर गए गोधरा- पीएम ने कहा कि 2002 में गोधरा कांड के समय मैं विधानसभा में बैठा था, तभी घटना की जानकारी मिली तो मैंने गोधरा जाने का निर्णय लिया।

पीएम ने कहा कि उस समय हमारे पास हेलीकॉप्टर नहीं था। मैंने सुरक्षाकर्मियों से कहा कहीं से हेलीकॉप्टर लाओ। तब ओएनजीसी का हेलीप्टकर मिला लेकिन वो जाने से मना कर दिया, क्योंकि उसका इंजन सिंगल था।

उन्होंने कहा कि वीआईपी को इसमें सफर नहीं कराया जा सकता। तो इस पर मैंने कहा कि मैं वीआईपी नहीं हूं और मैं लिखकर देता हूं कि अगर कुछ होता है तो मेरी जिम्मेदारी होगी। और मैं वहां गया।

सुरक्षा बलों को थी मेरी चिंता- पीएम मोदी ने कहा कि उस समय पांच जगह पर बम ब्लास्ट हुए। स्थिति भी ठीक नहीं थी। एक मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने कहा कि मैं पुलिस कंट्रोल रूम में जाना चाहता हूं, लेकिन सिक्योरिटी वालों ने मना कर दिया। सुरक्षाकर्मियों को इस बात का डर था कि न जाने कहां क्या हो जाए, इसके बावजूद मैंने कहा, मैं जाऊंगा।

तीसरे कार्यकाल में मेरे सोच का दायरा बदला- प्रधानमंत्री ने कहा है कि पहले और दूसरे कार्यकाल में मैं बीते हुए कल के संदर्भ में सोचता था। लेकिन, तीसरे कार्यकाल में मेरे सोच का दायरा बदल चुका है। मेरे हौसले ज्यादा बुलंद हो चुके हैं। मेरे सपनों का विस्तार हो चुका है। मेरे अरमान बढ़ते चले जा रहे हैं। मेरा तीसरा कार्यकाल बहुत बड़े सपने वाला है।

2047 तक विकसित भारत की बात सिर्फ भाषण नहीं है। उस समय तक एक-एक चीज को समस्याओं से मुक्ति दिलानी है।

म्यांमार की सेना ने अपने ही देश में की एयर स्ट्राइक, 500 घर तबाह; 40 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार के सैन्य हवाई हमले में दर्जनों लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से ये जानकारी सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस हफ्ते पश्चिमी राज्य राखीन में म्यांमार की सैन्य सरकार की तरफ से किए गए हवाई हमले में दर्जनों लोग मारे गए हैं। दक्षिण पूर्व एशिया के देश में गृह युद्ध अपने चौथे साल के करीब है। राखीन में स्थित एक जातीय मिलिशिया अराकान सेना ने भी बताया कि हमले में दर्जनों लोग मारे गए थे।

राष्ट्रीय एकता सरकार और संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी एक बयान के अनुसार, जुंटा आर्मी ने बुधवार दोपहर को यानबी टाउनशिप के क्यौक नी माव गांव पर हमला किया, जिसमें लगभग 500 घर नष्ट हो गए और 40 से अधिक लोग मारे गए। रॉयटर्स तुरंत रिपोर्टों की पुष्टि नहीं कर सका।

जुंटा आर्मी ने दिया बयान- जुंटा आर्मी ने नागरिकों के खिलाफ अत्याचार करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह आतंकवादियों से मुकाबला कर रही है। अराकान सेना ने 26 मुस्लिम ग्रामीणों के नाम जारी किए, जिसमें कहा गया कि हमले में मारे गए और 12 घायल हुए।

2021 में सेना की तरफ से नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल है, जिससे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए जो कई मोर्चों पर व्यापक सशस्त्र विद्रोह में बदल गए।

ब्लड मनी अभियान के प्रवक्ता मुलान ने इस मामले में अपना बयान दिया है।

संयुक्त राष्ट्र के बयान में सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने का आग्रह किया गया।

जुंटा के राजस्व में कटौती के लिए काम कर रहे म्यांमार कार्यकर्ताओं के गठबंधन ब्लड मनी कैंपेन ने अंतरराष्ट्रीय सरकारों से विमानन ईंधन की आपूर्ति करने वाली संस्थाओं पर तेजी से प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है।

उन्होंने ये भी कहा, केवल जब यह समर्थन बंद हो जाएगा तभी हवाई हमले सच में समाप्त होंगे।

म्यांमार में हिंसा तब शुरू हुई थी जब सेना ने फरवरी 2021 में Aung San Suu Kyi की निर्वाचित सरकार को हटा दिया था।

पहले कनाडा, फिर ब्रिटेन और अब जर्मनी... दूसरे देशों की राजनीति में कूद रहे एलन मस्क, अगला निशाना कौन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और एक्स के मालिक एलन मस्क ने अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया था। चुनाव में विजय के बाद ट्रंप ने मस्क को इसका तोहफा भी दिया। उन्होंने मस्क को अपनी कैबिनेट में शामिल कर लिया।

अमेरिका के बाद मस्क अब दूसरे देशों की राजनीति में भी दखल दे रहे हैं। वह कनाडा, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों के नेताओं से सीधा टक्कर ले रहे हैं।

जस्टिन ट्रूडो का मजाक- मस्क ने हाल ही में कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का मजाक उड़ाया था। उन्होंने कनाडा के पूर्व पीएम को मजाकिया अंदाज में लड़की कह दिया था। दरअसल, ट्रूडो ने एक्स पर लिखा था कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाएगा। हमारे दोनों देशों के श्रमिक और समुदाय एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक और सुरक्षा साझेदार होने से फायदे में होते हैं। इसके जवाब में मस्क ने लिखा था, %लड़की, अब तुम कनाडा की गवर्नर नहीं हो, इसलिए तुम जो भी कहो, कोई फर्क नहीं पड़ता। ब्रिटेन के पीएम को हटाने की साजिश!

अब कहा जा रहा है कि मस्क ब्रिटेन की पीएम की कुर्सी के पीछे पड़ गए हैं। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर को पद से हटाने के लिए उन्होंने सीक्रेट मीटिंग तक की है। अंग्रेजी अखबार में इसका खुलासा हुआ था। दरअसल, मामला ग्रूमिंग गैंग्स से जुड़ा है। मस्क का दावा है कि 2008 से 2013 के बीच जब पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ब्रिटिश लड़कियों का रेप कर रहे थे, तब स्टार्मर ने उनके लिए कुछ नहीं किया।

अफगानिस्तान में फिर लगे भूकंप के झटके, 24 घंटे के अंदर दूसरी बार डोली धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि अफगानिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया है। एनसीएस के मुताबिक, भूकंप उत्तरी अफगानिस्तान में भारतीय मानक समय (आईएसटी) पर सुबह 05:05 बजे आया। इसकी डिटेल एक्स पर भी साझा की गई थी।

नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के मुताबिक, 4.2 तीव्रता का भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसे अधिकतर 37.33 N और देशांतर 74.62E पर दर्ज किया गया। उत्तरी अफगानिस्तान प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त एक पहाड़ी क्षेत्र है।

अफगानिस्तान के प्रांत पर पड़ा भूकंप का असर- टोलो न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भूकंप ने अफगानिस्तान के कई प्रांतों और नागरिकों को प्रभावित किया है।

तीन सालों से लगातार आ रहे भूकंप- इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान दुनिया के सबसे अधिक जलवायु-संवेदनशील देशों में से एक है।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा, दो वाहनों की टक्कर में 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से भीषण हादसे की खबर सामने आई है। पख्तूनख्वा प्रांत में एक पैसेंजर कोच और ट्रेलर कोच के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस टक्कर में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। यह घातक दुर्घटना करक जिले के अंबेरी कल्ले चौक पर सिंधु राजमार्ग पर एक ट्रेलर और एक यात्री कोच के साथ हुई।

पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार के कारण हुई दुर्घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस और बचाव अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने भी हादसे में नौ यात्रियों की मौत पर दुख जताया है।

पाकिस्तान में हुआ था बस हादसा- वहीं कुछ दिन पहले दिसंबर महीने में पाकिस्तान से बस हादसे की खबर सामने आई थी। यहां पर पंजाब के फतेह जंग इलाके के पास एक बस दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 22 लोग घायल हो गए थे।

मैं ट्रंप को हरा सकता था, लेकिन ..., राष्ट्रपति पद की दौड़ से क्यों हटे बाइडन? खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में बीते चुनाव को लेकर एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि वे 5 नवंबर में हुए आम चुनावों में ट्रंप को हरा देते, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी की एकता के खातिर उन्होंने बीच में ही दौड़ से हटने का फैसला ले लिया।

व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक पत्रकार ने उनसे पूछा, राष्ट्रपति महोदय, क्या आपको दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर पछतावा है? क्या आपको लगता है कि इससे आपके पूर्ववर्ती के लिए अब आपका उत्तराधिकारी बनना आसान हो गया है?

बाइडन ने दिया ऐसा जवाब- मैं ऐसा नहीं सोचता। मुझे लगता है कि मैं ट्रंप को हरा सकता था, ट्रंप को हरा सकता था और मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रम्प को हरा सकती थी, ट्रम्प को हरा सकती थी।

उन्होंने कहा, पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। हालांकि मुझे लगा था कि मैं फिर से जीत सकता हूं।

पद छोड़ने से पहले क्या करेंगे जो बाइडन- जब बाइडन से व्हाइट हाउस में पत्रकारों ने पूछा कि क्या वह खुद को या अपने परिवार के किसी अन्य सदस्य को माफ करने की योजना बना रहे हैं। तो बाइडन ने कहा कि, उनका खुद को माफ करने का कोई इरादा नहीं है, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। साथ ही इस बात के संकेत दिए हैं कि, 20 जनवरी को पद छोड़ने से पहले वह कई अन्य लोगों को माफी दे सकते हैं।

क्या लॉस एंजेलिस के जंगलों में आग की वजह डेल्टा स्मेल्ट फिश है? मस्क-ट्रंप ने किसे ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित लॉस एंजेलिस में लगी आग लगातार फैलती जा रही है। आग की वजह से 11 लोगों की जान चली गई है, जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। यहां तक की कई हॉलीवुड हस्तियों के घर भी जलकर खाक हो गए हैं। कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग की वजह और इसके फैलने के तरीके के बारे में अलग-अलग कारण बताए जा रहे हैं, लेकिन कई लोग अग्निशमन विभाग में विविधता, समानता और समावेश को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसको लेकर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और बिल एकमैन ने भी पोस्ट किया है।

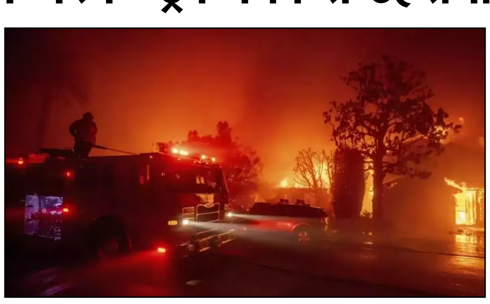

इस बीच, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जंगल में लगी आग के लिए डेल्टा स्मेल्ट नामक एक छोटी मछली को जिम्मेदार ठहराया है। मस्क ने कई वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें उन्होंने अग्निशमन विभाग की DEI पहल को जंगल में लगी आग के फैलने का कारण बताया। मस्क ने विभाग के काम करने के तरीके की भी आलोचना की और कहा कि DEI का मतलब है लोगों की मौत।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल हैंडल पर डेल्टा स्मेल्ट मछली को लेकर गवर्नर गेविन न्यूजॉम पर हमला बोला। ट्रंप ने कहा कि स्मेल्ट नामक एक बेकार मछली को कम पानी देकर बचाने के लिए कैलिफोर्निया के लोगों की परवाह नहीं की गई और आज सभी इसका अंजाम देख रहे हैं।

2025 में होगी हजारों नौकरियों में कटौती, अमेरिकी में अमेजॉन और बोइंग जैसी कंपनियां करेंगी छंटनी; ये है बड़ा कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप 2025 के लिए तैयार हैं, क्योंकि इस साल एआई का बोलबाला होने वाला है और यही कारण है कि बड़ी संख्या में नौकरियों के जाने का खतरा है। पहले कोरोना महामारी की वजह से दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर काफी बुरा असर हुआ जो अभी तक रिकवर हो रही है।

अमेरिका में अमेजॉन, बोइंग और स्पिरिट एयरलाइंस जैसी प्रमुख कंपनियों ने कर्मचारियों की कटौती की घोषणा की है जो 2025 में भी जारी रहेगी।

2025 में अमेरिका में होगी छंटनी- एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में 2025 की शुरुआत से ही नौकरियों पर संकट मंडराने लगे हैं। इससे पहले 2024 में प्रौद्योगिकी, विमानन और खुदरा सहित उद्योग महत्वपूर्ण छंटनी से प्रभावित हुए हैं।

चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस इंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2024 में 57,727 नौकरियों में कटौती देखी गई, जो अक्टूबर की तुलना में 3.8 फीसदी की वृद्धि है। छंटनी ट्रैकर ट्रू अप के अनुसार, पूरे 2024 में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 429,608 लोग प्रभावित हुए।

ज्यादातर नौकरियों के जाने का कारण एआई

एक रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादातर नौकरियों के जाने का कारण एआई है। श्रम बाजार को नया आकार देने में एआई एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है। पिछले साल दस में से तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को एआई से बदल दिया है।

आर्थिक अपराधियों ने कितने पैसे विदेश में छिपाए, पता लगाना होगा आसान; इंटरपोल ने जारी किया पहला सिल्वर नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरपोल ने सीमा पार छिपाई गई अवैध संपत्तियों का पता लगाने के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत अपना पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है। भारत भी इस परियोजना में भागीदार है। इंटरपोल ने एक बयान में कहा कि उसने इटली के अनुरोध पर पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है, जिसमें एक माफिया की संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी गई है।

सिल्वर नोटिस से भारत को उन अपराधियों की संपत्तियों का पता लगाने में मदद मिलेगी, जिन्होंने अपनी अवैध संपत्ति को अन्य देशों में यह सोचकर स्थानांतरित कर दिया है कि इसका कभी पता नहीं लगाया जा सकेगा। शराब कारोबारी विजय माल्या और हीरा व्यापारी नीरव मोदी सहित भारत में कम-से-कम 10 भगोड़े आर्थिक अपराधी हैं।

एक माफिया की संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी गई- भारत के आर्थिक अपराधियों द्वारा विदेश में स्थानांतरित किए गए काले धन की कुल राशि का कोई सटीक अनुमान नहीं है। इंटरपोल ने एक बयान में कहा कि उसने इटली के अनुरोध पर पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है, जिसमें एक माफिया की संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी गई है।

धरती की रफ्तार से है ऑक्सीजन का मेल, सामने आई जिंदगी से जुड़ी हैरान करने वाली कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। धरती के 4.5 अरब साल लंबे सफर में उसकी रफ्तार धीमी होती गई है और इसके दिन लंबे होते चले गए हैं। हालांकि, यह बदलाव इंसानी नजरों से छुपा रहता है मगर वैज्ञानिकों ने पाया है कि यही धीमा होता समय धरती पर जिंदगी की बुनियाद रखता है। एक शोध के मुताबिक, धरती पर ऑक्सीजन की बढ़त और दिनों की लंबाई में गहरा रिश्ता है। जैसा कि ऊपर बताया गया कि समय के साथ धरती की रफ्तार धीमी होती जा रही है। धरती की रफ्तार धीमी होने का कारण चांद है। चांद अपनी गुरुत्वाकर्षण ताकत से धरती पर खिंचाव डालता है, जिससे धरती की गति घटती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि 1.4 अरब साल पहले एक दिन सिर्फ 18 घंटे का होता था और 70 मिलियन साल पहले यह दिन आज के मुकाबले आधा घंटा छोटा था। करीब 2.4 अरब साल पहले धरती पर सायनोबैक्टीरिया यानी नीले-हरे शैवाल उभरे। इन शैवाल ने सूरज की रोशनी से फोटोसिंथेसिस के जरिए ऑक्सीजन पैदा की। मगर मजेदार बात यह है कि जैसे-जैसे दिन लंबे होते गए, इन शैवाल को ज्यादा वक्त मिला ऑक्सीजन बनाने का। सायनोबैक्टीरिया की वजह से धरती पर महान ऑक्सीकरण घटना हुई।

चंद्रचूड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत, एक नेता को बचाने का लगा था आरोप; लोकपाल ने उठाया कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार-रोधी संस्था लोकपाल ने अधिकार क्षेत्र से बाहर होने का हवाला देते हुए पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली एक शिकायत का निपटारा करने का कदम उठाया है। पिछले दिनों एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया कि 18 अक्टूबर, 2024 को भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के खिलाफ एक नेता और राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने तथा उन्हें बचाने के लिए पद का दुरुपयोग करने और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शिकायत दी गई थी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए। लोकपाल ने अपने आदेश में विस्तार से इस पहलू की जांच की है कि क्या पद संभाल रहे किसी प्रधान न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम की धारा 14 के तहत उसके अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं, जिसके बाद उसने 382 पृष्ठों की इस शिकायत में लगाए गए विभिन्न आरोपों पर विस्तार से चर्चा करने से बचने का निर्णय लिया। तीन जनवरी के आदेश में कहा गया, हम और कुछ नहीं कहेंगे। लोकपाल अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर और पांच अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए आदेश में कहा गया है, उपर्युक्त के आलोक में, हम इस शिकायत को अधिकार क्षेत्र से बाहर मानते हुए इसका निपटारा करते हैं।

माइनस 60 डिग्री तापमान में भी सैनिकों को गर्म रखेगा हिमकवच; 2024 रहा सबसे गर्म साल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने हिमकवच नाम से मल्टीलेयर क्लोथिंग सिस्टम को सफलतापूर्वक विकसित किया है, जिसे अत्यधिक ठंडे वातावरण में काम करने वाले सैन्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है।

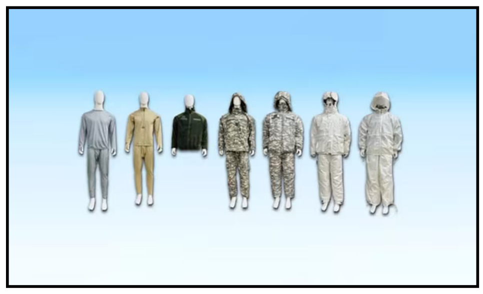

ठंडे मौसम की स्थिति में सैन्य अभियानों में बहुत उपयोगी होगी- डीआरडीओ ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि 20 डिग्री सेल्सियस से माइनस 60 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को झेलने के लिए डिजाइन किए गए हिमकवच ने हाल ही में सभी टेस्ट को पास कर लिया है, जो भारत की रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

हिमकवच प्रणाली में कई परतें शामिल हैं। यह वस्त्र प्रणाली हिमालयी क्षेत्र में ठंडे मौसम की स्थिति में सैन्य अभियानों में बहुत उपयोगी होगी, जहां तापमान में भारी गिरावट आ सकती है, जिससे कर्मियों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

2024 रहा सबसे गर्म वर्ष- चाहे कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग हो या पिछले वर्ष भारत में पड़ी रिकार्ड गर्मी, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव साफ दिख रहा है। सामने आई रिपोर्ट और भी चिंता बढ़ाने वाली है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2024 अबतक का सबसे गर्म वर्ष रहा। यह पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक वैश्विक औसत तापमान वाला पहला वर्ष था। इसकी पुष्टि शुक्रवार को यूरोपीय जलवायु एजेंसी कापरनिकस ने की है।

जनवरी से जून 2024 तक हर महीना अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया। अगस्त को छोड़कर जुलाई से दिसंबर तक हर महीना 2023 के बाद रिकार्ड दूसरा सबसे गर्म महीना था।

कापरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के विज्ञानियों ने कहा कि 1850 में वैश्विक तापमान ट्रैकिंग शुरू होने के बाद से 2024 सबसे गर्म वर्ष रहा। औसत वैश्विक तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सभी मुकदमों की एक साथ सुनवाई में हर्ज क्या है, मस्जिद कमेटी को सुप्रीम कोर्ट का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा कृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह विवाद मामले में लंबित सभी मुकदमों की सुनवाई के लिए एक साथ संलग्न करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को मस्जिद कमेटी द्वारा चुनौती देने पर सवाल उठाते हुए शुक्रवार को कहा कि मुकदमों को संलग्न कर साथ सुनवाई करने में हर्ज क्या है। यह तो न्यायहित में है और दोनों पक्षों के लिए अच्छा है।

शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली मस्जिद कमेटी की याचिका पर विचार की अनिच्छा जताते हुए कहा कि सभी मुकदमे साथ संलग्न करने के आदेश में क्यों दखल दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि हर आदेश का विरोध करना जरूरी नहीं है। हालांकि अंत में प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मस्जिद कमेटी को इस मुद्दे पर बाद में तर्क रखने की छूट देते हुए मामले की सुनवाई अप्रैल के पहले सप्ताह तक के लिए टाल दी। यानी यह मुद्दा अब लंबित है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पिछले वर्ष 11 जनवरी को मथुरा कृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से संबंधित मंदिर पक्ष की ओर से दाखिल किये गए 15 मुकदमों (वादों) को जिला अदालत से हाई कोर्ट स्थानांतरित करते हुए एक साथ सुनवाई के लिए संलग्न करने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

याचिकाएं मस्जिद कमेटी ने दाखिल कर रखी हैं - शुक्रवार को जब मामला सुनवाई पर आया तो सीजेआइ संजीव खन्ना ने प्रथम दृष्टया हाई कोर्ट के आदेश के पक्ष में नजरिया प्रकट करते हुए कहा कि मुकदमों को साथ संलग्न करने के आदेश में अभी कोर्ट को क्यों हस्तक्षेप करना चाहिए। बाकी और मुद्दों पर जो याचिकाएं मस्जिद कमेटी ने दाखिल कर रखी हैं उन पर सुनवाई की जाएगी लेकिन सभी मुकदमे साथ संलग्न करने में क्या हर्ज है। यह तो दोनों पक्षों के हित में ही है।

पीठ की टिप्पणियों पर मस्जिद कमेटी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील तसनीम अहमदी ने कहा कि सभी मुकदमे एक समान नहीं हैं।

अरे आप लोग इस ठंड में... बीजेपी दफ्तर पहुंचते ही अचानक पत्रकारों के पास पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम तय करने को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक शुक्रवार रात को हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित अन्य नेता शामिल हुए।

पीएम मोदी ने पत्रकारों से की बात- भाजपा कार्यालय पहुंचते ही जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी सीधे पत्रकारों से बात करने पहुंचे। पीएम नरेंद्र मोदी ने बीजेपी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा- आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। आपको लोहड़ी, मकर संक्रांति की शुभकामनाएं। इस ठंड में आप अपना ख्याल रखें, अपना सिर ढकें। इसके बाद पीएम मोदी दफ्तर के अंदर चले गए। कालकाजी सीट को लेकर खूब हो रही चर्चा

इस बैठक में दिल्ली 41 प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा हुई। शनिवार को प्रत्याशियों की सूची जारी होने की उम्मीद है। भाजपा ने 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 29 प्रत्याशियों की पहली सूची पिछले शनिवार को जारी की थी। नई दिल्ली से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा और कालकाजी से मुख्यमंत्री आतिशी के सामने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को प्रत्याशी बनाया गया है।

पहली सूची में चार विधायकों के साथ कांग्रेस और आप से भाजपा में शामिल होने वाले कई नेताओं के नाम थे। उसके बाद से दूसरी सूची का इंतजार हो रहा है। पार्टी नेताओं ने बताया कि शेष रह गए 41 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें से कई सीटों पर नाम तय कर लिए गए हैं। चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

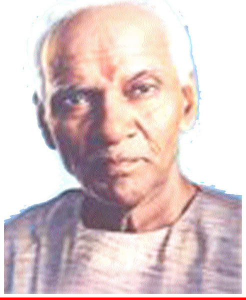

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल तृतीया

संपादकीय

भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर लंबे समय से विचार- विमर्श होता रहा है...

भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर लंबे समय से विचार- विमर्श होता रहा है। आर्थिक उदारीकरण के बाद, गुणवत्ता की परिभाषा आर्थिक कारकों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के प्रभाव से परिवर्तित हुई है। पारंपरिक रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिए तैयार करना रहा है। हालांकि, वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों में इस अवधारणा को स्पष्ट करना तथा उसे प्राप्त करना और जटिल होता जा रहा है यह एक चुनौती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में शिक्षा की पहुंच, समानता और गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है। हालांकि, इसमें कुछ विरोधाभास भी दिखते हैं। एक ओर यह सभी शिक्षार्थियों के लिए सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समान पहुंच पर जोर देती है। वहीं दूसरी ओर इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी परोपकारी प्रयासों पर निर्भरता जताती है, जिससे इसकी समावेशिता और व्यवहार्यता को लेकर गंभीर चिंता पैदा होती है।

शिक्षा में गुणवत्ता की अवधारणा बहुआयामी है इसमें व्याख्यान, शिक्षक, पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या की संरचना, छात्रों की गुणवत्ता, शैक्षणिक संस्थान, परीक्षा प्रक्रिया का प्रबंधन और संस्थागत सुविधाओं की पर्याप्तता सहित कई पहलू समाहित हैं। इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव शिक्षा की समग्र गुणवत्ता निर्धारित करता है। शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना विवादास्पद काम रहा है। इसमें यह विचार करना कठिन होता है कि शिक्षण विधियों और पाठ्यचर्या में कितनी प्रौद्योगिकी शामिल की जाए। अगर शिक्षकों को पर्याप्त बुनियादी ढांचा, वित्तीय सहायता, पुस्तकालयों और र अनुसंधान सुविधाओं जैसे संसाधन प्रदान किए जाएं तथा उन्हें अत्यधिक प्रशासनिक कार्यों से मुक्त रखा जाए, तो वे शिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। अपनी शिक्षण विधियों में नवाचार ला सकते हैं। ऐसी 7 परिस्थितियों में 1 में, गुणवत्ता स्वाभाविक से सुधरती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों के सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित होता है, जो लिंग, नस्ल, जातीयता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करता है।

यूरोपीय चिंतक वान केमेनेड और उनके सहयोगियों के अनुसार, शिक्षा की गुणवत्ता को चार मुख्य बिंदुओं से समझा जा सकता है- उद्देश्य मानदंड, विषय और मूल्य शिक्षा का लक्ष्य क्या है? किस प्रकार का ज्ञान और कौशल प्रदान करना है ? गुणवत्ता की को मापने के लिए क्या पैमाने मानदंड हैं? किस विषय या क्षेत्र में गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जा रहा है? शिक्षा में किन मूल्यों महत्त्व दिया जाता है? इन बिंदुओं से पता चलता है कि शिक्षा की गुणवत्ता को समझना कितना जटिल है, क्योंकि ये अलग-अलग परिस्थितियों और लक्ष्यों के अनुसार बदलते रहते हैं। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को परिभाषित करना और उसका मूल्यांकन करना चुनौती बना हुआ है। अक्सर हम आंकड़ों का इस्तेमाल करते हैं, जो देखने में तो निष्पक्ष लगते हैं, लेकिन वास्तव में उनके चुनाव या बहिष्कार मैं कहीं न कहीं व्यक्तिपरकता होती है ये तरीके गुणवत्ता की सही तस्वीर नहीं दिखाते और अनजाने में संस्थानों तथा विद्यार्थियों के लिए नुकसानदायक भी हो सकते हैं। इसलिए शिक्षा में गुणवत्ता को समझने के लिए हमें एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो सभी पहलुओं पर विचार करे।

स्वामी विवेकानन्द

स्वामी विवेकानन्द (12 जनवरी 1863 - 4 जुलाई 1902) वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। उनका वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी जो आज भी अपना काम कर रहा है। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। उन्हें दो मिनट का समय दिया गया था किन्तु उन्हें प्रमुख रूप से उनके भाषण का आरम्भ ÷मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाइयों÷ के साथ करने के लिये जाना जाता है।[4] उनके संबोधन के इस प्रथम वाक्य ने सबका दिल जीत लिया था।

कलकत्ता के एक कुलीन बंगाली कायस्थ परिवार में जन्मे विवेकानन्द आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे जिनसे उन्होंने सीखा कि सारे जीवों मे स्वयं परमात्मा का ही अस्तित्व हैं; इसलिए मानव जाति अथेअथ जो मनुष्य दूसरे जरूरतमन्दो की मदद करता है या सेवा द्वारा परमात्मा की भी सेवा की जा सकती है। रामकृष्ण की मृत्यु के बाद विवेकानन्द ने बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की और ब्रिटिश भारत में तत्कालीन स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। बाद में विश्व धर्म संसद 1893 में भारत का प्रतिनिधित्व करने, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए प्रस्थान किया। विवेकानन्द ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धान्तों का प्रसार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया। भारत में विवेकानन्द को एक देशभक्त सन्यासी के रूप में माना जाता है और उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कहानियाँ

एक बार स्वामी विवेकानन्द अपने आश्रम में सो रहे थे। कि तभी एक व्यक्ति उनके पास आया जो कि बहुत दुखी था और आते ही स्वामी विवेकानन्द के चरणों में गिर पड़ा और बोला महाराज मैं अपने जीवन में खूब मेहनत करता हूँ हर काम खूब मन लगाकर भी करता हूँ फिर भी आज तक मैं कभी सफल व्यक्ति नहीं बन पाया। उस व्यक्ति कि बाते सुनकर स्वामी विवेकानंद ने कहा ठीक है। आप मेरे इस पालतू कुत्ते को थोड़ी देर तक घुमाकर लाये तब तक आपके समस्या का समाधान ढूँढ़ता हूँ। इतना कहने के बाद वह व्यक्ति कुत्ते को घुमाने के लिए चला गया। और फिर कुछ समय बीतने के बाद वह व्यक्ति वापस आया। तो स्वामी विवेकानन्द ने उस व्यक्ति से पूछा की यह कुत्ता इतना हाँफ क्यों रहा है। जबकि तुम थोड़े से भी थके हुए नहीं लग रहे हो आखिर ऐसा क्या हुआ ?

इस पर उस व्यक्ति ने कहा कि मैं तो सीधा अपने रास्ते पर चल रहा था जबकि यह कुत्ता इधर उधर रास्ते भर भागता रहा और कुछ भी देखता तो उधर ही दौड़ जाता था. जिसके कारण यह इतना थक गया है । इसपर स्वामी विवेकानन्द ने मुस्कुराते हुए कहा बस यही तुम्हारे प्रश्नों का जवाब है. तुम्हारी सफलता की मंजिल तो तुम्हारे सामने ही होती है. लेकिन तुम अपने मंजिल के बजाय इधर उधर भागते हो जिससे तुम अपने जीवन में कभी सफल नही हो पाए. यह बात सुनकर उस व्यक्ति को समझ में आ गया था। की यदि सफल होना है तो हमे अपने मंजिल पर ध्यान देना चाहिए।

कहानी से शिक्षा

स्वामी विवेकानन्द के इस कहानी से हमें यही शिक्षा मिलती है कि हमें जो करना है। जो कुछ भी बनना है। हम उस पर ध्यान नहीं देते है, और दूसरों को देखकर वैसा ही हम करने लगते है। जिसके कारण हम अपने सफलता के लक्ष्य के पास होते हुए दूर भटक जाते है। इसीलिए यदि जीवन में सफल होना है! तो सदा हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए !।

नारी का सम्मान

स्वामी विवेकानन्द की ख्याति देश ङ्क विदेश में फैली हुई थी। एक बार कि बात है। विवेकानन्द समारोह के लिए विदेश गए थे। और उनके समारोह में बहुत से विदेशी लोग आये हुए थे ! उनके द्वारा दिए गए स्पीच से एक विदेशी महिला बहुत ही प्रभावित हुईं।

और वह विवेकानन्द के पास आयी और स्वामी विवेकानन्द से बोली कि मैं आपसे विवाह करना चाहती हूँ ताकि आपके जैसा ही मुझे गौरवशाली पुत्र की प्राप्ति हो।

इसपर स्वामी विवेकानन्द बोले कि क्या आप जानती है। कि मै एक सन्यासी हूँ भला मै कैसे विवाह कर सकता हूँ यदि आप चाहो तो मुझे आप अपना पुत्र बना लो। इससे मेरा सन्यास भी नही टूटेगा और आपको मेरे जैसा पुत्र भी मिल जाएगा। यह बात सुनते ही वह विदेशी महिला स्वामी विवेकानन्द के चरणों में गिर पड़ी और बोली कि आप धन्य है। आप ईश्वर के समान है ! जो किसी भी परिस्थिति में अपने धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होते है।

प्रारम्भिक जीवन

स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी सन् 1863 (विद्वानों के अनुसार मकर संक्रान्ति संवत् 1920) को कलकत्ता में एक कुलीन कायस्थ परिवार में हुआ था। उनका औपचारिक नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। पिता विश्वनाथ दत्त कलकत्ता हाईकोर्ट के एक प्रसिद्ध वकील थे। दुर्गाचरण दत्ता, (नरेंद्र के दादा) संस्कृत और फ़ारसी के विद्वान थे उन्होंने अपने परिवार को 25 वर्ष की आयु में छोड़ दिया और एक साधु बन गए। उनकी माता भुवनेश्वरी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। उनका अधिकांश समय भगवान शिव की पूजा-अर्चना में व्यतीत होता था। नरेन्द्र के पिता और उनकी माँ के धार्मिक, प्रगतिशील व तर्कसंगत रवैया ने उनकी सोच और व्यक्तित्व को आकार देने में सहायता की।

बचपन से ही नरेन्द्र अत्यन्त कुशाग्र बुद्धि के तो थे ही नटखट भी थे। अपने साथी बच्चों के साथ वे खूब शरारत करते और मौका मिलने पर अपने अध्यापकों के साथ भी शरारत करने से नहीं चूकते थे। उनके घर में नियमपूर्वक रोज पूजा-पाठ होता था धार्मिक प्रवृत्ति की होने के कारण माता भुवनेश्वरी देवी को पुराण,रामायण, महाभारत आदि की कथा सुनने का बहुत शौक था। कथावाचक बराबर इनके घर आते रहते थे। नियमित रूप से भजन-कीर्तन भी होता रहता था। परिवार के धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के प्रभाव से बालक नरेन्द्र के मन में बचपन से ही धर्म एवं अध्यात्म के संस्कार गहरे होते गये। माता-पिता के संस्कारों और धार्मिक वातावरण के कारण बालक के मन में बचपन से ही ईश्वर को जानने और उसे प्राप्त करने की लालसा दिखायी देने लगी थी। ईश्वर के बारे में जानने की उत्सुकता में कभी-कभी वे ऐसे प्रश्न पूछ बैठते थे कि इनके माता-पिता और कथावाचक पण्डित तक चक्कर में पड़ जाते थे।

शिक्षा

सन् 1871 में, आठ साल की उम्र में, नरेन्द्रनाथ ने ईश्वर चंद्र विद्यासागर के मेट्रोपोलिटन संस्थान में दाखिला लिया जहाँ वे स्कूल गए। 1877 में उनका परिवार रायपुर चला गया। 1879 में, कलकत्ता में अपने परिवार की वापसी के बाद, वह एकमात्र छात्र थे जिन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज प्रवेश परीक्षा में प्रथम डिवीजन अंक प्राप्त किये।

वे दर्शन, धर्म, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कला और साहित्य सहित विषयों के एक अत्यंत उत्साही पाठक थे। इनकी वेद, उपनिषद, भगवद् गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों के अतिरिक्त अनेक हिन्दू शास्त्रों में गहन रूचि थी। नरेंद्र को भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षित किया गया था,[18]और ये नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम में व खेलों में भाग लिया करते थे। नरेंद्र ने पश्चिमी तर्क, पश्चिमी दर्शन और यूरोपीय इतिहास का अध्ययन जनरल असेम्बली इंस्टिटूशन (अब स्कॉटिश चर्च कॉलेज) में किया।

43% बढ़ा जस्ट डायल का प्रॉफिट, अंबानी के पास हैं कंपनी के 5.42 करोड़ शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी के रिलायंस समूह की कंपनी जस्ट डायल लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में लोकल सर्च इंजन कंपनी का नेट प्रॉफिट करीब 43त्न प्रतिशत बढ़कर 131.31 करोड़ रुपये हो गया है। जस्ट डायल ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले की समान अवधि में उसका प्रॉफिट 92.01 करोड़ रुपये था।

कितना है राजस्व - दिसंबर तिमाही में जस्ट डायल का परिचालन राजस्व 8.4 प्रतिशत बढ़कर 287.33 करोड़ रुपये हो गया। दिसंबर तिमाही में कुल व्यय 215.57 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही से 1.55 प्रतिशत कम है। तिमाही के दौरान कुल आय 7.3 प्रतिशत बढ़कर 364.74 करोड़ रुपये रही।

क्या कहा कंपनी ने- जस्ट डायल ने अपने तिमाही नतीजों में कहा- कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अपना अब तक का सबसे अधिक तिमाही राजस्व हासिल किया। इससे डिजिटल सेवाओं में अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। जस्ट डायल के मुख्य वृद्धि अधिकारी श्वेतांक दीक्षित ने कहा कि कंपनी का ध्यान परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए राजस्व वृद्धि को तेज करने पर बना हुआ है।

रिलायंस का दांव- जस्ट डायल पर नियंत्रण मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड का है। प्रमोटर्स की कंपनी में 74.15 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 25.85 फीसदी स्टेक है। बता दें कि कंपनी के प्रमोटर रिलायंस रिटेल के पास 5,42,89,574 शेयर या 63.84 फीसदी हिस्सेदारी है।

शेयर में गिरावट- जस्ट डायल के शेयर की बात करें तो बीते शुक्रवार को 1034.60 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 3.75त्न टूट गया। बीते साल मार्च में शेयर 769.85 रुपये के स्तर तक आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो था।

रिलायंस रिटेल के तिमाही नतीजे- आगामी 16 जनवरी को रिलायंस इंडस्ट्रीज दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी करने वाली है।

पिछले एक साल से टूट रहा है यह शेयर, एक्सपर्ट बोले दांव लगाने का अच्छा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ महीने पटेल इंजीनियरिंग के लिए अच्छे नहीं रहे हैं। इस दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। बीते सात महीने (जनवरी को लेकर) पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों की कीमतों में अबतक 26 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल चुकी है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 1.15 प्रतिशत की गिरावट के बाद 48.83 रुपये के लेवल पर था। फरवरी 2024 में कंपनी के शेयरों का भाव 79 रुपये के उच्चतम स्तर पर था। तब से अबतक यह स्टॉक 38.36 प्रतिशत टूट चुका है। इस भारी भरकम गिरावट के बाद भी कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को महज 2 साल में 209 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, 3 साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 280 प्रतिशत का लाभ मिल चुका है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर घरेलू ब्रोकरेज हाउस आईडीबीआई कैपटिल बुलिश नजर आ रहा है। ब्रोकरेज हाउस को उम्मीद है कि कंपनी के शेयरों में जारी गिरावट तेजी में बदल सकती है। रिपोर्ट में पटले इंजीनियरिंग को ब्रोकरेज हाउस ने 'बाय' टैगद दिया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से 76 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया गया है। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस से 50 प्रतिशत अधिक है।

ढाई सौ रुपये से भी शुरू कर सकेंगे एसआइपी, जल्द जारी होंगे नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब यह बहुत ही जल्द ही संभव होने जा रहा हैर कि कोई व्यक्ति चाहे तो 250 रुपये से भी एसआइपी यानी मासिक निवेश योजना के तहत बचत की शुरुआत कर सकता है। इस बारे में शेयर बाजार की नियामक एजेंसी सेबी की तरफ से जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये जाने वाले हैं। यह जानकारी सेबी चेयरमैन माधबी पूरी बुच ने एक कार्यक्रम में दी। इसका मकसद शेयर बाजार में ज्यादा से ज्यादा घरेलू निवेशकों को आकर्षित करना है। इसका सकारात्मक फाइनेंशिएल इनक्लूजन पर भी होगा क्योंकि बाजार की तेजी का फायदा समाज के एक बड़े वर्ग को मिलेगा।

एसआइपी के जरिए 26,459 करोड़ रुपये का निवेश- सेबी के ताजे आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर, 2025 में एसआइपी के जरिए निवेशकों ने कुल 26,459 करोड़ रुपये का निवेश किया है। नवंबर, 2024 में एसआइपी के जरिए 24,320 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। अगस्त, 2016 में हर महीने 3122 करोड़ रुपये का निवेश म्यूचुअल फंड में हो रहा था। बुच ने कहा कि, 250 रुपये की एसआइपी की सीमा ना सिर्फ वास्तविकता बनेगी बल्कि इससे पूरे उद्योग (म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री) को काफी फायदा होगा। मेरा मानना है कि यह ज्यादा से ज्यादा लोगों को वित्तीय समावेशी कार्यक्रम में शामिल करने वाला भी होगा। यह अगले तीन वर्षो के दौरान भारतीय म्युचुअल फंड उद्योग को काफी बढ़ाने वाला होगा।

उन्होंने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में काफी प्रगति होने से अब लेन-देन की लागत को काम करना काफी संभव है और इस वजह से छोटे निवेश वाले वित्तीय उत्पाद भी लांच करना संभव हो रहा है। एआइ की वजह से ज्यादा से ज्यादा निवेश आवेदनों का बहुत ही कम समय में प्रोसेस करना संभव हो गया है।

क्रैश हुआ सरकारी कंपनी का शेयर, एक्सपर्ट का अनुमान- 230 के पार जाएगा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को बाजार में बड़ी गिरावट के बीच भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 5.50 प्रतिशत गिरकर 204.50 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, इस शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले एक साल से शेयर सुस्त पड़ा है। इस दौरान शेयर में 2.45 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जबकि इसी अवधि के दौरान बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स में 7.98 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई 2024 में यह शेयर 335.40 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंचा था। वहीं, जनवरी 2024 में शेयर की कीमत 195.60 रुपये के 52 वीक लो पर थी। बीएचईएल के शेयर पर निकट अवधि का समर्थन 200-190 रेंज में देखा जा सकता है। इस शेयर को 215-225 रुपये के क्षेत्र में प्रतिरोध मिल सकता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिटेल रिसर्च) रवि सिंह ने बिजनेस टुडे से कहा- कोई भी मौजूदा स्तर पर 225 रुपये के अपेक्षित टारगेट प्राइस पर बीएचईएल के शेयर खरीद सकता है। इस ट्रेड के लिए 198 रुपये पर सख्त स्टॉप लॉस रखें। सेबी-रजिस्टर्ड एआर रामचंद्रन ने कहा कि बीएचईएल मंदी में है फिर भी डेली चार्ट पर 191 रुपये पर अगले समर्थन के साथ थोड़ा अधिक बिक रहा है।

90 घंटे वाली बहस में कूदे राजीव बजाज, बोले- काम की गुणवत्ता मायने रखती है, समय नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरपर्सन एस एन सुब्रमणियन ने हफ्ते में 90 घंटे काम वाली बात कहकर देश में एक नई बहस छेड़ दी है। वहीं, अब इस मामले में बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज भी कूद पड़े हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि काम की गुणवत्ता घंटों से कहीं अधिक मायने रखती है।

सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के मुताबिक, राजीव बजाज ने कहा कि अगर कोई 90 घंटे काम करने की शुरुआत करना चाहता है तो इसकी शुरुआत ऊपर से करनी चाहिए। काम के घंटों की संख्या मायने नहीं रखती, काम की गुणवत्ता मायने रखती है। हमें पहले से कहीं अधिक दयालु, सौम्य दुनिया की जरूरत है।

बजाज ने यह भी कहा कि कंपनियों को काम के घंटों की निश्चित संख्या जैसी प्रतिगामी नीतियों को अपनाने से बचना चाहिए। उन्होंने कार्य-जीवन संतुलन के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर कोई सप्ताह में 70 या 90 घंटे भी काम करता है तो इसका असर परिवार, स्वास्थ्य पर पड़ेगा और इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

एलएंडटी चेयरमैन ने क्या कहा था? सुब्रह्मण्यन ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए कर्मचारियों को दिए गए एक वीडियो संदेश में कहा, आप घर पर बैठकर क्या करते हैं? आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हैं? पत्नियां अपने पतियों को कितनी देर तक घूर सकती हैं? आप ऑफिस जाएं और अपना काम करना शुरू करें। दरअसल, कर्मचारियों चेयरमैन से सवाल कर रहे थे कि उन्हें सप्ताह में सिर्फ एक दिन की छुट्टी क्यों मिलती है, दो दिन की क्यों नहीं।

एलएंडटी के चेयरमैन ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात का दुख है कि मैं आपसे रविवार को काम नहीं करवा पा रहा हूं। अगर मैं आपसे रविवार को भी काम ले पाऊं, तो मुझे बेहद खुशी होगी, क्योंकि मैं खुद भी रविवार को काम करता हूं।

आरपीजी रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके एलएंडटी चेयरमैन के बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा, एक हफ्ते में 90 घंटे काम? रविवार को सन-ड्यूटी क्यों न कहा जाए और छुट्टी को एक मिथकीय अवधारणा क्यों न बना दिया जाए!

डॉली खन्ना ने इन 2 कंपनियों पर लगाया दांव, 1 साल में 70% का रिटर्न, आपके पास है क्या कोई?

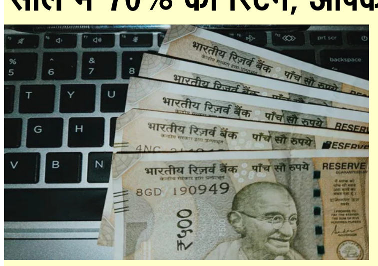

नई दिल्ली (एजेंसी)। चर्चित निवेशक डॉली खन्ना ने दिसंबर तिमाही के दौरान अपने पोर्टफोलियो में दो और कंपनियों को जोड़ा है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ये दो कंपनियां Indian Metals & Ferro Alloys और स्टोव क्राफ्ट है। ये दोनों स्मॉल कैप कंपनियां हैं। आइए जानते हैं कि दिग्गज निवेशक ने अपने दोनों अलग-अलग कंपनियों के कितने शेयर खरीदे हैं? कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार डॉली खन्ना ने Indian Metals & Ferro Alloys के 6,23,464 शेयर खरीदे हैं। जोकि कंपनी की कुल हिस्सेदारी के 1.16 प्रतिशत के बराबर है। वहीं, उन्होंने स्टोव क्राफ के 3,54,541 शेयर खरीदे हैं। जिसकी वजह से उनकी कंपनी में अब हिस्सेदारी 1.07 प्रतिशत हो गई है। बता दें, या तो डॉली खन्ना की इन कंपनियों में पहले कोई हिस्सेदारी नहीं थी। या फिर रही होगी तो वह 1 प्रतिशत से कम रही होगी। Indian Metals & Ferro Alloys पर दिग्गज निवेशक मुकुल अग्रवाल ने भी दांव लगाया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मंत्री श्री सिंह शहर की विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह आज शहर की विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। सर्वप्रथम उन्होंने बिलहरी में राजेश्वरी परिसर में गौतम बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण एवं क्लब हाउस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि आज भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण का अवसर मिला। साथ ही कहा कि भगवान बुद्ध एक नाम ही नहीं बल्कि एक विचारधारा है। एक समृद्ध परम्परा व इतिहास भी है। भगवान बुद्ध के संदेश विश्व को एक नया मार्गदर्शन दिया है। सबका कल्याण हो ऐसी विचारधारा के महापुरूष के मूर्ति का अनावरण करना एक सौभाग्य की बात है। भगवान बुद्ध के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास भी जुड़ा है। आने वाले समय में जबलपुर का यह क्षेत्र विकसित क्षेत्र के रूप में पहचाना जायेगा। उन्होंने भगवान बुद्ध के आशीर्वाद के साथ सभी को इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कुछ प्रयासों से जबलपुर का जो विकास हुआ है, वह सभी के सामने है और आने वाले समय में भी विकास के कार्य होंगे। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व मंत्री श्री सुरेश पचौरी, विधायक श्री अशोक रोहाणी, नगर निगम के अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री आशा मुकेश गोटिया, कार्यक्रम के आयोजक श्री आलोक चंसोरिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मंत्री श्री सिंह ने व्हीव्हीआईपी एनेक्सी निर्माण का किया भूमिपूजन- लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज सर्किट हाउस नंबर 1 में व्हीव्हीआईपी एनेक्सी निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण ने बताया कि सर्किट हाउस के विस्तारीकरण का यह कार्य मंत्री श्री सिंह के प्रयास से ही संभव हुआ। उन्होंने कहा कि यह व्हीव्हीआईपी एनेक्सी 2 करोड़ 50 लाख की लागत से बनेगा। जिसमें 6 व्हीव्हीआईपी कक्ष व डोरमेट्री होंगे। 7 हजार वर्गफुट का यह भवन को आठ माह में पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक श्री अशोक रोहाणी, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। सर्किट हाउस के विस्तारीकरण, भूमिपूजन के पूर्व मंत्री श्री सिंह मदन महल गुरूद्वारा के पीछे सरदार श्री अमरजीत सिंह धनजल के निवास पर कीर्तन दीवान कार्यक्रम में शामिल हुए।

महानगर का विकास सकारात्मक सोच के अनुसार होना चाहिए- मंत्री श्री सिंह लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने शंकर शाह नगर में पीडब्ल्यूडी क्वाटर्स कॉलोनी में सीसी रोड एवं नाली निर्माण का भूमिपूजन भी किया और कहा कि जबलपुर में अब एक छोर से दूसरे छोर तक जहां भी जायेंगे विकास ही मिलेगा और यह विकास एक सकारात्मक सोच के कारण ही दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से जनता की आपेक्षा रहती है कि उनकी समस्याओं का हल हो। इसी बात को ध्यान में रखकर जबलपुर के विकास के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। आने वाले समय में रेल्वे स्टेशन से ग्वारीघाट तक रोप-वे साथ ही चार फ्लाई ओव्हर भी बनेंगे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जबलपुर में यह विकास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विकासवादी सोच के कारण ही हो रहा है। मंत्री श्री सिंह ने लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम के अलावा अन्य स्थानीय सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

बाइकर्स पहुंचे भेड़ाघाट, संगमरमरी वादियों को देख रह गए दंग

जबलपुर। मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन की असीमित संभावनाओं तथा ऑफ बीट डेस्टिनेशन (अनोखे पर्यटन स्थल) के प्रचार के उद्देश्य से पांच जनवरी को सात दिवसीय यात्रा पर निकली 28 बाइकर्स की टीम शुक्रवार को भेड़ाघाट पहुंची। बाइकर्स ने रोप-वे से धुआंधार जलप्रपात की खूबसूरती को निहारा तथा नौका विहार कर संगमरमरी वादियों को देख दंग रह गए । 'राइडर्स इन द वाइल्ड-2025' के तीसरे संस्करण के अतंर्गत 28 बाइकर्स का दल शुक्रवार को भेड़ाघाट पहुंचा था। रैली का शुभारंभ भोपाल के पर्यटन विभाग के रिसार्ट 'विंड एंड वेव्स' से पांच जनवरी को हुआ जहां संयुक्त संचालक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) संतोष श्रीवास्तव, कार्यपालिक निदेशक पर्यटन निगम अरुण पालीवाल एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने फ्लैग ऑफ कर सुपर बाइक रैली को मध्यप्रदेश भ्रमण के लिए रवाना किया। शनिवार 11 जनवरी को भोजपुर मंदिर में इस रैली का समापन होगा। भेड़ाघाट को लेकर साझा किए अनुभव – बाइकर्स ने संभावित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भेड़ाघाट के सौंदर्य की प्रशंसा की। 'राइडर्स इन द वाइल्ड-2025 टीम के सदस्य अरविंद चौधरी, यश वशिष्ठ और दिनेश शिवतरकर ने बताया कि भेड़ाघाट और आस-पास के वन क्षेत्र का सौंदर्य देखने हर किसी को जबलपुर आना चाहिए। दल ने भेड़ाघाट स्थित किंग्स आफ क्लाउड स्काई लाउंज में हाई टी के साथ भेड़ाघाट के विहंगम दृश्य का भी लुत्फ उठाया। दानिश तारिक ने बताया कि बाइकर्स लगभग 1600 किमी की यात्रा पूर्ण कर चुके हैं और बाइकिंग डेस्टिनेशन के लिए मध्य प्रदेश एकदम मुफीद है। उन्होंने कहा कि ग्रुप के फोटो और वीडियो देखकर उनके अन्य बाइकर्स साथी भी कह रहे हैं कि मध्य प्रदेश में बाइक राइडिंग के लिए पोटेंशियल है।

अवैध मदिरा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 12000 किलोग्राम गुड़ लहान और अवैध मदिरा जब्त

ग्वालियर। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, संग्रह और विक्रय को रोकने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर चलाई जा रही मुहिम के तहत शुक्रवार को आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त करने के साथ आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। सहायक आयुक्त आबकारी श्री राकेश कुमार कुर्मी ने बताया कि भितरवार क्षेत्र में, चकमियापुर, गोलपुरा, गोहिंदा क्षेत्र में आबकारी बल द्वारा दबिश दी गई। आबकारी बल की दबिश के दौरान विभिन्न स्थानों से लगभग 12000 किलो गुड लहान, 80 लीटर हाथभट्ठी मदिरा जब्त की गई । उक्त कार्यवाही में जब्त मदिरा का अनुमानित मूल्य लगभग 1216000 रु.(बारह लाख सोलह हजार रुपए) है। आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत कुल 8 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।इस कार्रवाई में विभाग के कंट्रोल रूम प्रभारी रविशंकर यादव, उपनिरीक्षक सतेंद्र सिंह मीना, शिवा रघुवंशी , सुचि जैन तथा तथा मुख्य आरक्षक महेंद्र सिंह गुर्जर,आरक्षक सुनील सिंह,आकाश माहौर, पुष्पेंद ,राघवेन्द्र भदोरिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

मेले में सभी ठेला संचालक हॉकर्स जोन में रहकर अपना व्यवसाय करें

ग्वालियर। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले में व्यवस्थाओं के बेहतर संचालन के लिये विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी समितियों के नोडल अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित किए गए मेले में कार्यों का भौतिक सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट मेला प्राधिकरण के कार्यालय में जमा कराएं। अपर कलेक्टर एवं मेला अधिकारी श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने शुक्रवार को विभिन्न समितियों के नोडल अधिकारियों की बैठक में यह बात कही।

मेला प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अशोक चौहान, अपर आयुक्त नगर निगम श्री विजय राज, मेला सचिव श्री टी आर रावत सहित विभिन्न समितियों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे। अपर कलेक्टर एवं मेला अधिकारी श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि मेले की बेहतर व्यवस्थाओं के लिये विभिन्न समितियों को सौंपे गए दायित्वों का क्रियान्वयन करें एवं किए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से भी कहा कि मेला प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ मिलकर मेले में बनाए गए हॉकर्स जोन में ही ठेला व्यवसायी अपना व्यवसाय करें, यह सुनिश्चित करें। हॉकर्स जोन के बाहर किसी भी प्रकार के ठेलों के संचालन पर कार्रवाई कर उन्हें हॉकर्स जोन में ही भेजने का कार्य करें।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में आयोजित शिविरों से जानता को मौके पर मिल रहा लाभ

भोपाल। भोपाल जिले में 11 दिसम्बर से प्रारंभ हुए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 26 जनवरी 2025 तक चलने वाले मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में अब तक जिले में 239 शिविर आयोजित किए जा चुके है। जिनमें एक लाख 76 हजार से अधिक आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए हैं और एक लाख 57 हजार से अधिक प्रकरणों को मौके पर ही निराकरण किया गया।

जनकल्याण अभियान के अंतर्गत 34 हितग्राहीमूलक योजनाएं, 11 लक्ष्य आधारित योजनाएं एवं 63 सेवाओं को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। शुक्रवार को वार्ड 41 हथैखेड़ा वार्ड में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हितग्राहियों को लाभ वितरित किया गया। शहरी क्षेत्र में आगामी 11 को जनवरी मौलाना अब्दुल कलाम वार्ड 67, 13 जनवरी को वार्ड 63 गौतम बुध वार्ड, शाहपुरा, पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड 46, 15 जनवरी को वार्ड 64 सोनागिरी, 16 जनवरी को वार्ड 66, नरेला शंकरी, वार्ड ऑफिस -2 एयरपोर्ट रोड, जहांगीराबाद, 17 जनवरी को वार्ड 67 इंद्रपुरी, वार्ड 49, आशा निकेतन, 20 जनवरी को गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, वार्ड 65, अयोध्या नगर, वार्ड 68, 21 जनवरी गुलमोहर, वार्ड 50, 22 जनवरी को राजीव गांधी वार्ड 72, 23 जनवरी को भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, वार्ड 73 मिसरोद, वार्ड 52, रानी लक्ष्मी बाई वार्ड 42 में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इंदौर में स्पीड से गाड़ी दौड़ाने वाले हो जाएं अलर्ट, 25 एंट्री-एग्जिट पाइंट पर लगेंगे हाईटेक कैमरे

इंदौर। अब इंदौर शहर में फर्राटा भरने से पहले सावधान हो जाइए। शहर के 17 चौराहों पर चालान काटे जाएंगे। यहां लगे कैमरों को अपग्रेड किया गया है। 40 किलोमीटर की रफ्तार से अधिक पर वाहन चलाने पर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर के 25 मार्ग पर स्पीड वायलेशन डिटेक्शन (एसवीडी) सिस्टम और 25 एंट्री-एग्जिट पाइंट पर हाईटेक कैमरे लगाए जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जहां तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले चालकों के मोबाइल पर सीधे ई-चालान पहुंचेगा, वहीं शहर के प्रवेश और निकासी मार्ग से आने-जाने वाले वाहनों के पंजीयन नंबर दर्ज कर डेटाबेस भी तैयार किया जाएगा। एसवीडी सिस्?टम इंस्टाल किया

शुरुआत में शहर में 17 मार्ग पर एसवीडी सिस्टम इंस्टाल कर दिया गया है, जिसे आगामी माह में शुरू कर दिया जाएगा। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट सीईओ दिव्यांक सिंह ने बताया कि इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) प्रोजेक्ट के तहत यह काम किया जा रहा है।

पांच साल तक कंपनी देखेगी मेंटेनेंस- लागत करीब 21 करोड़ रुपये है। पांच वर्ष तक कैमरे इंस्टाल करने वाली कंपनी ही इसका मेंटेनेंस देखेगी। पूरे प्रोजेक्ट की एक ही कंट्रोल रूम से निगरानी की जाएगी। एसवीडी फरवरी की शुरुआत में शुरू होगा। आईटीएमएस से जहां यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, वहीं ओवरस्पीड वाहन चलाने से होने वाले सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

ऐसे काम करेगा एसवीडी सिस्टम- स्मार्ट सिटी ऐसे मार्ग पर एसवीडी सिस्टम इंस्टाल कर रहा है, जहां तेज गति से वाहन गुजरते हैं। इन वाहनों के कारण कई बार गंभीर दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। सिस्टम शुरू होने पर तय लिमिट से अधिक गति से वाहन चलाने पर मार्ग पर लगे एविडेंस कैमरे में गति नोट होकर फोटो कैप्चर होगा। वहीं एएनपीआर कैमरे में वाहन का पंजीयन नंबर दर्ज होगा। यहां सीधे कंट्रोल रूम पर जानकारी जाएगी। इसके बाद वाहन स्वामी के मोबाइल पर ई-चालान पहुंच जाएगा। इन 17 पाइंट पर 34 एविडेंस कैमरे और 68 एएनपीआर कैमरे लगाए गए हैं।

यहां लगे हैं स्पीड वायलेशन डिवाइस

रेडिसन और स्टार चौराहे के बीच।

खजराना और बंगाली चौराहे के बीच।

बंगाली और मूसाखेड़ी के बीच।

एमआर 10 और लवकुश चौराहे के बीच।

लवकुश चौराहा व एयरपोर्ट (सुपर कॉरिडोर) के बीच दो पाइंट

लवकुश चौराहा और उज्जैन रोड के बीच।

सांची और निरंजनपुर के बीच।

बांबे अस्पताल चौराहा और निपानिया के बीच।

निरंजनपुर और स्कीम 136 के बीच।

राजीव चौराहा और राऊ चौराहा के बीच।

चंदन नगर और धार रोड के बीच।

पिपलिहाना और बायपास के बीच।

आईटी पार्क और तेजाजी नगर के बीच।

आईटी पार्क और तीन इमली के बीच।

आईटी पार्क और राजीव गांधी चौराहा के बीच।

एलआईजी और एमआर 9 के बीच।

इंदौर में गोदरेज समूह का बड़ा निवेश, 200 करोड़ की जमीन का सौदा किया, टाउनशिप लाएंगे

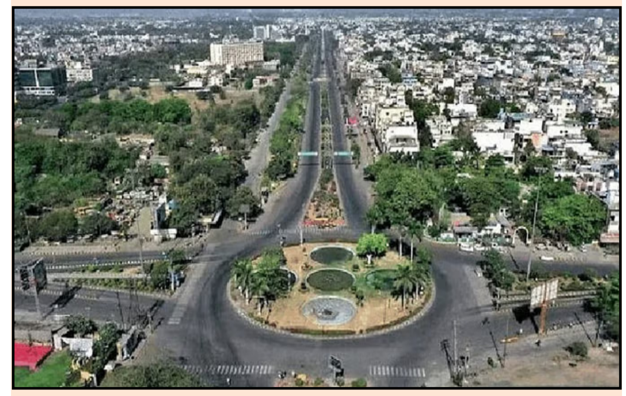

इंदौर। इंदौर के रियल इस्टेट मार्केट में अब बड़ी कंपनियों ने भी दिलचस्पी लेना शुरू कर दी है। इंदौर के शाहणा गोदरेज ग्रुप ने 200 करोड़ में जमीन का सौदा किया है। यहां पर एक टाउनशिप लाने की तैयारी की जा रही है। गुरुवार को इसकी रजिस्ट्री पंजीयन कार्यालय में हुई। विभाग के नए साफ्टवेयर में अब तक की सबसे बड़ी स्टाम्प ड्यूटी इसके लिए चुकाई गई। पिछले साल भी समूह ने इंदौर के समीप शाहणा गांव में 47 एकड़ जमीन खरीदी थी। उसका सौदा भी 200 करोड़ से अधिक की राशि में हुआ था। गोदरेज समूह के दो सौदों के कारण पंजीयन विभाग को अब तक 12 करोड़ रुपये का राजस्व मिल चुका है। पिछले साल गोदरेज समूह ने इंदौर में अपने नए प्रोजेक्ट लाने की घोषणा की थी।

इसके बाद पिछले साल ही किसान से सीधे कंपनी ने जमीन का सौदा किया था। इसकी रेरा से भी कंपनी ने अनुमति ले ली है। दो तीन माह के भीतर प्रोजेक्ट लांच करने की तैयारी समूह की रियल इस्टेट कंपनी ने की है। शाहणा गांव में ही 25 एकड़ दूसरी जमीन का सौदा कंपनी ने किया है। गाइड लाइन के हिसाब से जमीन का भाव 37 करोड़ रुपये है, लेकिन कंपनी ने जमीन 206 करोड़ रुपये में खरीदी है। कंपनी यहां बड़े और छोटे प्लॉट काटेगा। कंपनी मांगलिया क्षेत्र में भी एक टाउनशिप लाने की तैयारी कर रही है।

युवाओं को सामाजिक सरोकार से जोड़ेगा अभ्यास मंडल, 12 फरवरी को कार्यशाला

अभ्यास मंडल द्वारा युवाओं के नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने और उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने के उद्देश्य से युवा उड़ान नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला विशेष रूप से युवाओं द्वारा युवाओं के लिए तैयार की गई है, जो 12 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित होगी।

कार्यशाला का उद्देश्य युवा पीढ़ी में सामाजिक जागरूकता, नागरिक जिम्मेदारी और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देना है। इसमें विभिन्न सामयिक और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी, जिनमें मेरा शहर, शहर विकास में मेरी भूमिका, राष्ट्र चिंतन, नागरिक बोध, साइबर सुरक्षा, और नशा मुक्ति जैसे विषय शामिल हैं। इन विषयों पर गहन जानकारी देने के लिए विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित किया गया है, जो युवाओं को न केवल जानकारी प्रदान करेंगे, बल्कि उनके विचारों को खुले मंच पर व्यक्त करने का अवसर भी देंगे। अभ्यास मंडल के शिवाजी मोहिते ने बताया कि कार्यशाला में भाग लेने के लिए युवाओं को निर्धारित फॉर्म भरकर पंजीकरण करना होगा। कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले सभी युवाओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, जो उनके प्रयास और योगदान का सम्मान करेंगे। यह प्रमाणपत्र उनके भविष्य में उपयोगी हो सकते हैं। पोस्टर लांच किया

युवा उड़ान कार्यशाला का पोस्टर हाल ही में एक विशेष कार्यक्रम में विमोचित किया गया। इस अवसर पर शहर के प्रबुद्धजन और उत्साही युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पोस्टर विमोचन के दौरान कार्यशाला के उद्देश्यों और महत्व पर चर्चा की गई, जिसने युवाओं और समुदाय के अन्य वर्गों ने गहरी रुचि दिखाई।

भाजपा ने जीतू यादव को किया पार्टी से बाहर, वाट्सअप पर भेजा इस्तीफा मान्य नहीं किया

इंदौर। इंदौर में भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के घर तोड़फोड़ और उनके बेटे के साथ की गई बदसलूकी को भाजपा संगठन ने गंभीरता से लिया और भाजपा ने इंदौर के भाजपा पार्षद व एमआईसी मेंबर जीतू यादव को छह वर्षों के लिए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यादव ने सुबह अपना इस्तीफा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को वाट्सअप पर भेजा था, लेकिन उसे मान्य नहीं किया गया। इसके बाद प्रदेश भाजपा की तरफ से उनके निष्कासन के आदेश जारी हुए। इसकी पुष्टि भाजपा के प्रदेश प्रभारी भगवान दास सबनानी ने की है। उन्होंने भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे को पत्र भेजा।

जिसमें लिखा कि वार्ड 24 के पार्षद जीतू यादव द्वारा पार्टी के ही पार्षद से विवाद और उसके बाद अशोभनीय कृत्य किया गया। इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। उनका यह कृत्य अनुशासनहीनता के दायरे में आता है। इस कारण भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा द्वारा जीतू यादव को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

चौतरफा दबाव के बाद पार्टी को लेना पड़ा फैसला- दोनो पार्षदों के बीच विवाद पांच दिन से चल रहा था और दोनों के समाज की तरफ से भी प्रदर्शन हो चुके थे, लेकिन सोशल मीडिया पर यादव खेमे की तरफ से कालरा के नाबालिग बेटे को नग्न करने का वीडियो वायरल किया गया। इसे लेकर शहर में भाजपा को लेकर गलत मैसेज गया। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लिया और पुलिस को फ्री हेंड दिया। हमले की घटना के बाद दिन बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद भाजपा पदाधिकारियों पर यादव को पार्टी से बाहर करने का चौतरफा दबाव बढ़ गया। इसकी भनक लगते ही यादव ने शनिवार सुबह खुद इस्तीफा दे दिया, लेकिन भाजपा ने उसे अमान्य करते हुए छह साल के लिए निष्कासित कर दिया।

जीएसटी पोर्टल ठप, रिटर्न भरने की तारीख दो दिन बढ़ी

इंदौर। जीएसटी के मासिक और त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि दो दिन बढ़ा दी गई है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआइसी) ने शुक्रवार शाम इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी। जीएसटी पोर्टल के ठप होने के चलते यह निर्णय लिया गया। दो दिनों से जीएसटी पोर्टल पर रिटर्न ही दाखिल नहीं हो रहे थे। गुरुवार शाम तक पोर्टल बंद रहा। शुक्रवार को फिर सुबह से पोर्टल पर मेंटेनेंस का संदेश आया और शाम 6 बजे बाद तक बंद रहा। इस बीच मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन, कमर्शियल टैक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन ने ज्ञापन सौंपे। अलग-अलग राज्यों के कर पेशेवरों ने भी ई-मेल और एक्स पर पोस्ट कर शिकायत की।

जीएसटी के मासिक रिटर्न फार्म जीएसटीआर-1 को दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 जनवरी और त्रैमासिक पद्धति वालों के लिए इसकी पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 13 जनवरी थी।

तारीख बढ़ने से अब ये रिटर्न क्रमशः 13 जनवरी और 15 जनवरी तक भरे जा सकेंगे। हमेशा पैसों का निवेश करते चलें

मेरा मानना है कि निवेश करते रहना चाहिए। समय-समय पर पैसों की बचत करते चलें और निवेश भी करते चलें। अक्सर होता यह है कि हम लोग अधिकतर समय सोचने में निकाल देते हैं।

नाबालिगों को बना दिया था टीआई ने सट्टे का आरोपी, ली थी परिजनों से रिश्वत, अब हुआ डिमोशन

इंदौर। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में टीआई रहते है स्कूली बच्चों को आनलाइन सट्टे में फंसाने वाले थाना प्रभारी का पुलिस आयुक्त संतोष सिंह ने डिमोशन किया है। विजय नगर थाने के प्रभारी रहे रवींद्र गुर्जर को निरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा ब्लैकमेलिंग में शामिल एक एसआई और आरक्षक की वेतनवृद्धि भी रोकी है। मामला पिछले साल का है। विजय नगर थाना क्षेत्र में एसआई संजय धुर्वे ने आनलाइन सट्टा खेलने का आरोप लगाकर कुछ स्कूली बच्चों को पकड़ा था। बच्चे मेघदूत उपवन के बाहर मिले थे। इसके बाद एक बच्चे के परिजन के रिश्तेदारों से दस हजार की रिश्वत भी ली गई थी। इसकी शिकायत पुलिस अफसरों को मिली थी। तब इसकी जांच शुरू हुई थी। जांच में यह भी पाया गया कि अवैध वसूली में थाना प्रभारी रवींद्र गुर्जर भी शामिल है।

इसकी जांच के बाद रिपोर्ट पुलिस आयुक्त को सौंप दी गई थी। तब तत्कालीन पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर का तबादला होने के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया था, लेकिन अब फिर पुराने केस की फाइल खुली तो दोषी पाए गए तत्कालीन टीआई गुर्जर को एसआई बना दिया गया। तीन वर्ष तक एसआई रहेंगे। इसके अलावा एसआई संजय धुर्वे व सिपाही लोकेंद्र सिंह की एक वेतनवृद्धि रोकी है।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

संभाग आयुक्त श्री गुप्ता की अध्यक्षता में सिंहस्थ संभागीय समिति की बैठक संपन्न

उज्जैन। संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय उज्जैन में सिंहस्थ 2028 संभागीय समिति की बैठक आयोजित हुई बैठक में इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह, उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, देवास कलेक्टर ऋषभ गुप्ता और कलेक्टर खंडवा श्री अनूप कुमार सिंह, ऑनलाइन बैठक में सम्मिलित हुए।

इसके साथ ही बैठक में डीआईजी श्री नवनीत भसीन, नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती जयंती सिंह, उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ और स्मार्ट सिटी के सीईओ के साथ संभागीय अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा सिंहस्थ संबंधी कार्यों की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया गया और बताया गया है कि उज्जैन जिले में सबसे महत्वपूर्ण कार्य कान्ह नदी के डायवर्सन और क्षिप्रा नदी को प्रवाहमान करने के लिए सेवर खेड़ी - सिलार खेड़ी परियोजना का कार्य और हरिया खेड़ी में पेयजल व्यवस्था का कार्य प्रमुखता से किया जा रहा है। उज्जैन में लगभग 37 किलोमीटर स्थाई रूप के घाटों का निर्माण भी प्रस्तावित है।

बैठक में संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता ने कहा कि सभी स्थाई प्रकृति के कार्यों का थर्ड पार्टी परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाएगा। इसके लिए आईआईटी इंदौर और अन्य एजेंसियों से संपर्क कर कार्य योजना बनाई जावे। इसके साथ ही तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं के लिए मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों को शहरी क्षेत्र में नगर निगम देखेंगे। ब्रिज के कार्य ब्रिज कारपोरेशन के द्वारा किया जाएगा। नदी पर बंधान और बांध बनाने का कार्य डब्लू आर डी के द्वारा किया जाएगा। संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि तीर्थ यात्रियों के आने की संभावनाओं को देखते हुए सभी जिलों के तीर्थ स्थलों और पर्यटक स्थलों को व्यवस्थित किया जावे इसके लिए कार्य योजना बनाकर अगली बैठक में प्रस्तुत करें। साथ यह भी सुनिश्चित करें की भीड़ वाली जगह और यात्रियों के आने की सुविधाओं के हिसाब से भी अन्य निर्माण कार्य यदि आवश्यक हैं तो उनके प्रस्ताव भी बनाकर प्रस्तुत करें। बैठक में मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर, नीमच की भादवा माता मंदिर, रतलाम के कालका माता, देवास की चामुंडा माता मंदिर और इंदौर संभाग के अलग जिलों के तीर्थ के संबंध में भी प्रस्ताव बनाने के निर्देश संबंधित बैठक में दिए गए हैं। संभाग आयुक्त ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि मास्टर प्लान के अनुसार ही उज्जैन की सड़कों का चौड़ीकरण किया जावे। कलेक्टर उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि हामू खेड़ी और बिजासन माता मंदिर सौंदर्यीकरण के कार्य भी सिंहस्थ से किये जायेंगे। इसी के साथ इस बार परिक्रमा मार्ग और संतों के निवास को भी व्यवस्थित बनाया जाएगा। सवारी मार्ग को हेरिटेज मार्ग बनाने के लिए इसको सुव्यवस्थित करने का कार्य भी इसी वर्ष से शुरू होगा। काल भैरव मंदिर में सौंदर्यीकरण, पार्किंग, बायोडायवर्सिटी पार्क, घाट विस्तारीकरण के कार्य के लिए उज्जैन विकास प्राधिकरण को करने के लिए निर्देशित किया गया है।

गणित किसी भी राष्ट्र के विकास की धुरी है : कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज

उज्जैन। हम चाहे किसी भी विषय को पढ़ें, लेकिन गणित के ज्ञान के बिना हमारा काम नहीं बनता है। राष्ट जो भी स्वप्न देखता है, उसका आधार गणित है। गणित किसी भी राष्ट के विकास की धुरी है।

ये उद्गार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस माधव महाविद्यालय में विश्व गणित दिवस पर सेमिनार के मुख्य अतिथि विक्रम विश्विद्यालय के रूप में कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने व्यक्त किये। सारस्वत अतिथि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक डॉ वी के गुप्ता थे। उन्होंने कहा कि आज कई देशों में वैदिक गणित पर शोध कार्य हो रहा है। वैदिक गणित से कई समस्याओं का हल सम्भव हो गया है। वैदिक गणित पर डिप्लोमा कोर्स भी चल रहे हैं। विदेशों में भी भारतीय गणित को स्वीकार किया जा रहा है। जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ राजेंद्र गुप्त ने कहा कि सरकार ने डॉ श्रीनिवास रामानुजम के जन्म दिन को गणित दिवस के रूप में घोषित कर के सराहनीय कार्य किया है। वैदिक गणित समझ आधारित गणित को प्रोत्साहित करता है। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वन्दना गुप्ता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गणित प्रकृति की भाषा है। प्राचार्य डॉ कल्पना वीरेंद्र सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भास्कराचार्य ने लीलावती की रचना कर भारतीय गणित के वैभव में वृद्धि की है।

करंट रिसर्च एंड प्रास्पेक्टस इन द फिल्ड ऑफ मैथेमेटिक्स एंड ईट्स एप्लिकेशन विषय पर यह सेमिनार नेशनल कौंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन नई दिल्ली एवं मप्र कौंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल के सहयोग से आईक्यूएसी एवं गणित विभाग द्वारा आयोजित किया गया। सेमिनार की प्रस्तावना संयोजक डॉ दिनेश वर्मा ने प्रस्तुत की।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर डॉ शोभा मिश्र ने प्रकाश डाला। संचालन डॉ जफर मेहमूद ने किया। स्वागत डॉ अंशु भारद्वाज ने किया। डॉ अर्चना अखण्ड ने आभार व्यक्त किया।

सिंधी समाज माधव नगर का नववर्ष मिलन समारोह आज

उज्जैन। सिंधी समाज माधव नगर द्वारा नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन आज 12 जनवरी को किया जाएगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। इंदौर रोड़ स्थित परमेश्वरी गार्डन में प्रातः 10:30 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ होगा। जिसमें 12 बजे से रंगारंग कार्यक्रम शुरू होंगे। 12 से 1 बजे महिलाओं, बच्चों और पुरुषों की चेयर रेस, 1 से 2 बजे तक 1 मिनट के कार्यक्रम महिलाओं, बच्चों और पुरुषों के लिए, 2 से 2:30 बजे तक एक अनोखा कार्यक्रम, दोपहर 2:30 से 4 बजे तक डांस कंपटीशन बच्चों एवं कपल्स के लिए, 4 से लेकर 5 बजे तक रंगारंग कार्यक्रम तथा सम्मान समारोह, 5 बजे से हाउजी का आयोजन होगा। मिलन समारोह के संयोजक अशोक राजवानी, राजकुमार परस्वामी, चतरु वासनानी, अशोक चावला तथा पुरुषोत्तम राय सिंघानी रहेंगे।

जीजाबाई जन्म महोत्सव आज, शहीद पार्क पर होगा कार्यक्रम

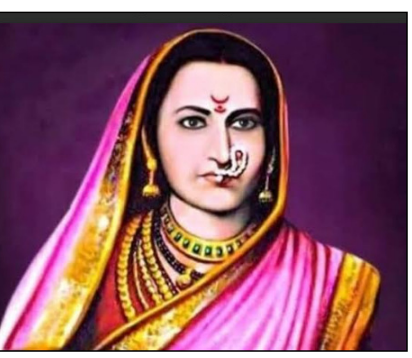

उज्जैन। क्षत्रिय मराठा कुलवंश छत्रपति शिवाजी महाराज की मातोश्री स्वराज जननी राष्ट्रमाता, लोक माता माँ साहेब जीजाबाई के जन्म महोत्सव का आयोजन आई माँ तुलजा भवानी मराठा देवस्थान समिति के तत्वावधान में स्थानीय शहीद पार्क उज्जैन पर सायं 5 बजे आयोजित किया जाएगा। समिति के संयोजक एवं अध्यक्ष मराठा सेवा संघ उज्जैन राजहंस गायकवाड़, शरद राव शितोले, देवदत्त येवले, किशोर सरदेसाई, तन्मय बोडके, विशाल महाडिक, राजू निम्बालकर ने बताया कि मराठा समाज के साथ ही समग्र हिन्दू समाज पूर्ण राष्ट्र में माँ साहेब के जन्मोत्सव को उल्लासपूर्वक मनाता है। मीडिया प्रभारी जेआर माहूरकर ने बताया कि मराठा सेवा संघ उज्जैन के सचिव मनोहर भालेराव एवं संघ के पदाधिकारी वीरेन्द्र काले, मधुरक राव साहब व रणजीत सपकाले, श्रीमती डॉ. नेत्रा रावणकर एवं श्रीमती करुणा शितोले ने समस्त मराठा समाज एवं समग्र हिन्दू समाज से आह्वान किया है सनातन धर्म के इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर सामर्थ्यवान हिन्दू समाज की एकता का परिचय दें।

ज्ञान महाकुंभ से निकलने वाले अमृत से देश की शिक्षा को नई दिशा मिलेगी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के ज्ञान महाकुंभ का प्रयागराज में सारस्वत शुभारंभ

उज्जैन। देश में आध्यात्मिक चेतना जगाने के इस पुण्य स्थान संगम पर देश की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक घटक की सहभागिता के साथ आयोजित होने वाले इस ज्ञान महाकुंभ से भारत की शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन लाने का शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। यह बात उत्तरप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कही। उन्होंने कहा कि संस्कार विहीन शिक्षा का कोई अर्थ नहीं और न्यास की संस्कार युक्त शिक्षा की पहल को हमें मिलकर दूर तलक ले जाना है।÷ उन्होंने कहा की ÷ शिक्षा महाकुंभ में शिक्षा और समाज का संगम होगा ।

न्यास के राष्टीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कुंभ मेला धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक के साथ-साथ विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम होता है। कुंभ मेले में देशभर के साधु-संत, सन्यासी आदि एक साथ इकट्ठे होते है और देश की जनता को धार्मिक मार्गदर्शन करते है। इस महाकुंभ में देश के शिक्षा जगत के छात्र, आचार्य, शिक्षाविद्, शोधार्थी, शिक्षा से जुड़े शासन-प्रशासन के पदाधिकारी, निजी शैक्षिक संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि मिलकर देश की शिक्षा में आधारभूत परिवर्तन की प्रक्रिया में गति देने हेतु चिंतन-मंथन करेंगे।पिछले लगभग 175 वर्षों की मैकॉले की शिक्षा नीति के प्रभाव के कारण शिक्षा मात्र नौकरी पर प्राप्त करने का माध्यम बन गई। विगत कुछ दशकों से अधिकतर शैक्षिक विमर्श मात्र समस्याओं की चर्चा तक सीमित हो गए। इस शैक्षिक परिदृश्य में सुधार एवं परिवर्तन हेतु शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास प्रतिबद्ध है। डॉ कोठारी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य, नवाचार एवं भारतीयता की दिशा में कार्य करने वाली संस्थाओं एवं विद्वानों को एक मंच पर लाकर उनके कार्यों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रदर्शित किया जाएगा। शिक्षा के सभी घटक एक साथ एकत्रित होकर देश की शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए मंथन करें, यही इस ज्ञान महाकुंभ का प्रमुख उद्देश्य है।डॉ कोठारी ने कहा जिस प्रकार प्राचीन भारत में ऋषि मुनि समस्याओं के समाधान हेतु नैमिषारण्य में एकत्रित होते थे, उसी प्रकार न्यास के इस ज्ञान महाकुंभ में शिक्षा के सभी घटक एक साथ एकत्रित होकर देश की शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु मंथन करेंगे। इस ज्ञान महाकुंभ से पूर्व देश के चार अलग अलग भागों में ज्ञान कुंभ आयोजित किए जा चुके हैं, हरिद्वार, कर्णावती, नालंदा, पुडुचेरी में आयोजित किए गए। इस ज्ञान महाकुंभ से निश्चित ही देश की शिक्षा को एक नया विकल्प देने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिक जिम्मेदारी पर हुआ वेबिनार

उज्जैन। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, घटिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिक जिम्मेदारी विषय पर एक वर्चुअल वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में दिल्ली की प्रमुख अधिवक्ता शिवी पांडे और राहुल सिन्हा ने छात्रों से संवाद किया और उन्हें लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदार नागरिक होने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्या किरण म्हस्के के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। छात्रों ने इस सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिससे यह सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक और संवादात्मक बन गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में कर्तव्यनिष्ठा और नागरिक जिम्मेदारी का भाव जागृत करना था।

यह वेबिनार अत्यंत सफल रहा और इसे छात्रों व शिक्षकों द्वारा सराहा गया। इस आयोजन की जानकारी टीजीटी सामाजिक विज्ञान, अंजलि झा द्वारा प्रदान की गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com